EAST POINT SCHOOL CLASS-VIII
WEEKLY WORK PLAN-JULY- WEEK-2
ENGLISH

Unit 2 : Chapter 1 – A Day in the Country

VIDEO LINK: https://www.youtube.com/watch?v=o2u2QcpjUeQ

Outline of the Story

A day in the country is a story about two orphans who were playing when a threatening storm appeared which forced the residents to take refuge. Danilka, an eight years old boy, got his hand trapped in the tree. Luckily, Danilka's sister Fyokla, six years old girl went to the town for asking help. Terenty a cobbler, assured to provide assistance to her to rescue Danilka. After the storm passed, the three enjoyed the splendors of the country the rest of the afternoon. Danilka is fascinated by nature and its beauty.

Summary

'A day in the country' is written by Anton Chekhov. It pays homage to an unsung hero, a homeless cobbler whose name is Terenty. In the beginning of the story a beggar girl named Fyokla, who is 6 years old comes running through a village. The village is preparing for an approaching storm. She addresses everyone as "uncle". She is searching for some particular person. She finally finds Terenty in the kitchen-garden. He is a "tall old man with a thin, pock-marked face, very long legs, and bare feet, dressed in a woman's tattered jacket". He does not look like a hero. But Fyokla is searching desperately for someone to help in freeing her brother Danilka, whose hand is stuck in a tree. Terenty does not give importance to the approaching storm and talking reassuringly in fatherly tones he goes to free Fyokla's brother.The story tells us that Terenty "answers all questions, and there is no secret in nature which baffles him. He knows everything". The writer further adds that indeed "all the villagers, generally speaking, know as much as he does". But the difference is that Terenty is willing to share his knowledge and time with the two orphan children. The children love him for this reason.The two children retire to a deserted barn after spending the day with Terenty. And Terenty goes to the tavern. Chekhov further tells about Terenty's sincerity and love for the two orphan children. Terenty comes back later and puts bread under their heads making the sign of the cross while they are asleep. In this way Terenty tries to make the lives of Fyokla and Danilka a little better than his own.

Complete the statement.

Q.1) Why was Fyokla looking for Terenty
Q.2) Why was Terenty respected?
Q.3) What was the effect of change of weather on the following-
Q.4) What happened to Danilka? What caused the accident? How did Terenty help him? Q5 What had Terenty learnt about the ants and the bees?

Q6 Danilka looks at Terenty and greedily drinks in every word.
What is Danilka's mood here?
Where were they?
What was Terenty telling him?

Q7 Describe the change in Fyokla's mood in the story.
Q8 The story reflects Terenty's love for the children. Give three reasons to prove this.

HINDI

कवि – भगवतीचरणवर्मा
जन्म – 30 अगस्त 1903
मृत्यु – 5 अक्टूबर 1981

VIDEO LINKS:-

https://www.youtube.com/watch?v=qKZzs64OAOg

https://www.youtube.com/watch?v=y7Ce5ZzXhpw

दीवानों की हस्ती ***कविता*** *प्रवेश*

इस कविता में कवि ने अपने प्रेम से भरे हृदय को दर्शाया है क्योंकि कवि का स्वभाव बहुत ही प्रेमपूर्ण है। सभी संसार के व्यक्तियों से वह प्रेम करता है और खुशियाँ बाँटता है यही सब इस कविता में दर्शाया है। वो अपने जीवन को अपने ढंग से जीते हैं, मस्त-मौला है चारों ओर प्रेम बाँटने का सन्देश देते हैं। इस कविता के द्वारा एक सीख देते है की हमें सबके साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार करना चाहिए। वे खुशियों का संचार करते हैं, जहाँ भी जाते हैं खुशियाँ बिखेरते हैं और जीवन में असफल हो जाने पर हार जाने पर भी किसी को दोष नहीं देते । इस कविता में सन्देश देते हैं कि हमें अपनी सफलता और असफलता का श्रेय स्वयं को ही देना चाहिए क्योंकि अगर हम असफल होते है तो उसमें भी कहीं न कहीं दोष हमारा ही होता है किसी और का नहीं और सफल होते है तो भी श्रेय हमारा ही होता है क्योंकि महेनत हमने की होती है। और स्वंय असफल होने पर किसी अन्य को दोषी नहीं मानते है। वे जब जीवन में कभी हार जाते हैं, असफल हो जाते है इस सब का दोष किसी और को नहीं देते । यह इंसानियत की बहुत ही बड़ी बात है जोकि कवि में देखी जाती है।

दीवानों की हस्ती कविता **सार**

प्रस्तुत कविता में कवि का मस्त-मौला और बेफिक्री का स्वभाव दिखाया गया है । मस्त-मौला स्वभाव का व्यक्ति जहां जाता है खुशियाँ फैलाता है। वह हर रूप में प्रसन्नता देने वाला है चाहे वह ख़ुशी हो या आँखों में आया आँसू हो। कवि 'बहते पानी-रमते जोगी' वाली कहावत के अनुसार एक जगह नहीं टिकते। वह कुछ यादें संसार को देकर और कुछ यादें लेकर अपने नये-नये सफर पर चलते रहते हैं। वह सुख और दुःख को समझकर एक भाव से स्वीकार करते हैं। कवि संसारिक नहीं हैं वे दीवाने हैं। वह संसार के सभी बंधनों से मुक्त हैं। इसलिए संसार में कोई अपना कोई पराया नहीं है।जिस जीवन को उन्होने खुद चुना है उससे वे प्रसन्न हैं और सदा चलते रहना चाहते हैं।

दीवानों: अपनी मस्ती में रहने वाले
हस्ती: अस्तित्व
मस्ती: मौज
आलम: दुनिया
उल्लास: ख़ुशी
जग: संसार
छककर: तृप्त होकर
भाव: एहसास
भिखमंगों: भिखारियों
स्वच्छंद: आजाद
निसानी: चिन्ह
उर: ह्रदय
असफलता: जो सफल न हो
भार: बोझ
आबाद: बसना
स्वयं: खुद

(1) हम दीवानों की क्या हस्ती,
हैं आज यहाँ, कल वहाँ चले,
मस्ती का आलम साथ चला,
हम धूल उड़ाते जहाँ चले।
आए बन कर उल्लास अभी,
आँसू बन कर बह चले अभी,

सब कहते ही रह गए, अरे,
तुम कैसे आए, कहाँ चले?

प्रसंग – प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी हिंदी की पाठय पुस्तक "वसंत-3" में संकलित कविता "दीवानों की हस्ती" से ली गयी है। इसके कवि "भगवती चरण वर्मा" है। इस कविता में कवि ने मस्त-मौला और फक्कड़ स्वभाव का वर्णन किया है।

व्याख्या – इसमें कवि कहते हैं कि उनका स्वभाव मस्त-मौला है, वह एक स्थान पर टिके नहीं रहते। वे जहाँ भी जाते हैं, चारों तरफ खुशियाँ फैल जाती है। कवि जहाँ धूल उड़ाते हुए जाते है वही चारों तरफ प्रसन्नता का माहौल हो जाता है। कवि रमता जोगी है। वह मन में उत्पन्न भावों की भाँति कभी ख़ुशी का सन्देश तो कभी आँखों में बहते आँसू की तरह सब जगह फ़ैल जाता है। कवि कहते हैं कि वे इतनी जल्दी आते जाते रहते हैं की लोगों को पता ही नहीं चलता कि वे कब आए और कब चले गए।

(2) किस ओर चले? यह मत पूछो,
चलना है, बस इसलिए चले,
जग से उसका कुछ लिए चले,
जग को अपना कुछ दिए चले,
दो बात कही, दो बात सुनी।
कुछ हँसे और फिर कुछ रोए।
छककर सुख-दुख के घूँटों को
हम एक भाव से पिए चले।

व्याख्या- संसार जब कवि से जानना चाहता है अब वो किस ओर जा रहे हैं तो वे कहते हैं कि ये मत पूछो कि मैं कहाँ जा रहा हूँ क्योंकि मेरी कोई निश्चित मंजिल नहीं है। मैं चलता हूँ क्योंकि यह मेरा स्वभाव है। कवि कहते हैं कि वो संसार से कुछ ज्ञान लेकर और कुछ अपने पास से देकर जा रहे हैं। कवि का स्वभाव चलने का है परन्तु वह जहां रुकते हैं वहां लोगों से प्रेम भरी बातें करते हैं तथा उनकी बातें सुनते हैं और उनसे अपना तथा उनका सुख-दुख बाटतें हैं तथा सुख-दुःख रूपी अमृत का घूँट पीकर वह फिर नये सफर पर चल देते हैं।

(3) हम भिखमंगों की दुनिया में,
स्वच्छंद लुटाकर प्यार चले,
हम एक निसानी – सी उर पर,
ले असफलता का भार चले।
अब अपना और पराया क्या?
आबाद रहें रुकने वाले!
हम स्वयं बँधे थे और स्वयं
हम अपने बँधन तोड़ चले।

व्याख्या – कवि के अनुसार ये संसार भिखारी है इसके पास प्रेम नामक धन नहीं है। किन्तु कवि पूरी आजादी से सब जगह प्रेम लुटाते चलते हैं क्योंकि कवि सारे संसार को अपना मानते हैं इसीलिए वे बंधन मुक्त हैं। इतना प्रेम होते हुए भी एक सफल संसारिक व्यक्ति न बन पाने की दर्दया निशानी उनके ह्रदय में है और यही भार उनकी असफलता है। कवि के अनुसार संसार में कोई अपना और कोई पराया नहीं है। वे कहते हैं वे स्वयं इन बंधनों में बंधे थे और स्वयं इन बंधनों को तोड़कर आगे चलते जा रहे हैं तथा इससे वे प्रसन्न हैं और सदा चलते रहना चाहते हैं।

दीवानों की हस्ती प्रश्न-अभ्यास (महत्वपूर्ण प्रश्न **उत्तर**)

प्र°1 कवि ने अपने आने को 'उल्लास' और जाने को 'आँसू बन कर बह जाना' क्यों कहा है? (3)

प्र°2 भिखमंगों की दुनिया में बेरोक प्यार लुटाने वाला कवि ऐसा क्यों कहता है कि वह अपने ह्रदय पर असफलता का एक निशान भार की तरह लेकर जा रहा है? क्या वह निराश है या प्रसन्न है? (5)

प्र°3 कविता में ऐसी कौन-सी बात है जो आपको सब से अच्छी लगी? (5)

MCQ

(1) 'दीवानों की हस्ती' कविता के रचयिता कौन हैं?
(a) महादेवी वर्मा
(b) भगवतीचरण वर्मा
(c) सुभाष गताडे
(d) जया जादवानी

(2) इस कविता में किसकी हस्ती की बात कही गई है?
(a) कवि की
(b) दीवानों की
(c) आम लोगों की
(d) सभी की

(3) मस्ती भरा जीवन जीने वाले लोगों के बीच क्या बन जाते हैं ?
(a) आदर्श
(b) शोक
(c) मेहमान
(d) उल्लास

(4) वे संसार से कैसा भाव रखते हैं?
(a) मैत्रीभाव का
(b) समान भाव का
(c) ईर्ष्या भाव का
(d) भावुकता से भरा भाव

(5) बलि-वीरों के मन में बलि होने की चाहत किसके लिए है?
(a) परिवार के लिए
(b) राज्य के लिए
(c) देश के लिए
(d) अपने-आप के लिए

(6) सुख-दुख में कौन-सा समास है?
(a) तत्पुरुष
(b) द्विगु
(c) वंद्व
(d) कर्मधारय

(7) यह दुनिया किनकी है?
(a) भिखमंगों की
(b) दीवानों की
(c) कवि की
(d) सभी की

(8) दीवानों को क्या पछतावा है?
(a) भिखमंगे बनने का
(b) स्वच्छंद प्यार लुटाने का
(c) लोगों को मस्त न बना पाने का
(d) कोई नहीं

हम दीवानों की क्या हस्ती,

हैं आज यहाँ, कल वहाँ चले,
मस्ती का आलम साथ चला,
हम धूल उड़ाते जहाँ चले।
आए बनकर उल्लास अभी,
आँसू बनकर बह चले अभी,
सब कहते ही रह गए, अरे,
तुम कैसे आए, कहाँ चले?

(1) कवि एवं कविता का नाम लिखिए।

(2) दीवाने शब्द किसके लिए प्रयोग किया गया है? वे एक जगह पर टिककर क्यों नहीं रहते?

(3) दीवानों के बारे में लोग क्या-क्या कहते हैं?

(4) दीवाने वहाँ से इतनी जल्दी क्यों जा रहे हैं?

(5) लोगों की खुशियाँ लंबे समय तक क्यों

MATHS

PLAYING WITH NUMBERS
GAMES WITH NUMBERS

ACTIVITY

Reversing the digits – three digits' number

Conversation between Minakshi and Sundaram

Minakshi: Think of any 3-digit number.

Sundaram: Alright, I have done so.

Minakshi: Now use this number to form two more 3-digit numbers, like this: if the number you chose is abc, then

- 'the first number is cab (i.e., with the ones digit shifted to the "left end" of the number);
- the other number is bca (i.e., with the hundreds digit shifted to the "right end" of the number).

Now add them up. Divide the resulting number by 37. I claim that there will be no remainder.

Sundaram: Yes. You are right!

In fact, Sundaram had thought of the 3-digit number 237. After doing what Minakshi had asked, he got the numbers 723 and 372. So he did:

$$\begin{array}{r} 237 \\ +\ 723 \\ +\ 372 \\ \hline 1332 \end{array}$$

Then he divided the resulting number 1332 by 37:
1332 ÷ 37 = 36, with no remainder.

Check what the result would have been if Sundaram had chosen the numbers shown below.
1. 417
2. 632
3. 117

QUESTIONS:
Q-1) Find the value of letters A, B and C

$$\begin{array}{r} A\ B \\ \times\ 3 \\ \hline C\ A\ B \\ \hline \end{array}$$

Q-2) Find the value of letters A and B.

$$\begin{array}{r} 1\ 2\ A \\ +\ 6\ A\ B \\ \hline A\ 0\ 9 \\ \hline \end{array}$$

Revision questions for Rational Numbers and Powers and Exponents

Q-1) Q-1) $(-1)^{100}$ = _____
i. -1
ii. 1
iii. 0
iv. 100

Q-2) $(-1)^{51}$ = _____
i. -1
ii. 1
iii. 0
iv. 51

Q-3) a^m x a^n = _____
i. a^{m+n}
ii. a^{mn}
iii. a^{m-n}
iv. a^{n-m}

Q-4) $(5^0 - 4^0)\ (5^0 + 4^0)$= _____
i. 1
ii. 0
iii. 9
iv. -1

Q-5) If ‘y’ be the reciprocal of rational number ‘x’, then the reciprocal of ‘y’ will be

i. x
ii. y
iii. x/y
iv. y/x

Q-6) Solve using suitable property:

$$\frac{-4}{5} \times \frac{3}{7} \times \frac{15}{16} \times \left(\frac{-14}{9}\right)$$

i. $\frac{1}{2}$
ii. 2
iii. 1
iv. 0

Q-7) Which of the following is not commutative for rational numbers:

i. Addition
ii. Multiplication
iii. Subtraction
iv. None of these

Q-8) Find the value of p if $\left(\frac{2}{5}\right)^4 \times \left(\frac{2}{5}\right)^{-7} = \left(\frac{2}{5}\right)^{2p-1}$

Q-9) Represent -5/6 on number line.

Q-10) Express in Usual Form:

i. 4.05×10^{-5}
ii. 6.55×10^{7}

Q-11) Convert into standard Form:

i. 0.00000000405
ii. 0.0016

Q-12) Simplify $[(2^2)^3 \times 3^6] \times 5^6$

METALS AND NON-METALS -NOTES

MIND MAP

1

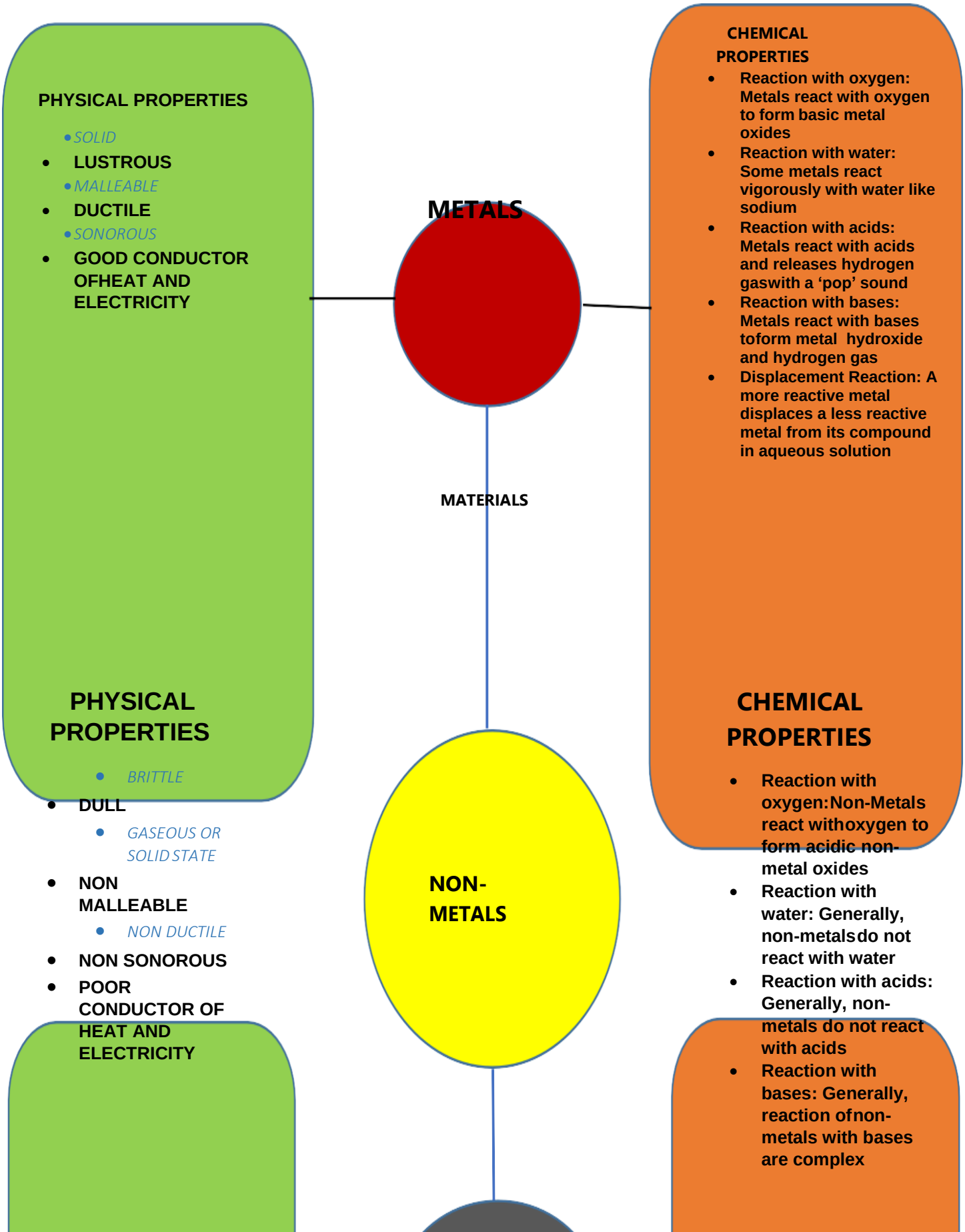

EXPLANATION

Elements can be classified into the following two groups depending on their physical and chemical properties:

- Metals
- Non-metals

Metals:

Those materials which possess the characteristic of being hard, shiny, malleable, ductile, etc.are termed as metals. Few examples of metals are iron, gold, silver, aluminium, copper, etc.

Physical Properties of Metals:

- **Solid**: Metals are solids at room temperature, except mercury, which is liquid atroom temperature.
  They are generally hard and strong but sodium and potassium are soft solids and canbe cut with a knife.
- Lustrous:
  It is that property of metals which makes them shine and their structures are capable of reflecting incident light. Metals such as gold, silver and copper all have lustre, thatis they have an ability to shine and reflect light. Therefore they are lustrous.

- Malleability:
  It is that property of metals which allows them to be beaten into thin sheets.

Due to presence of this property, the shape of iron nail and aluminium wire can be changed on beating. The silver foils used for decorating sweets and the aluminium foil used for wrapping food are possible because of malleability property of metals.

- Conductivity:

  It is that property of metals which allows the current and heat to pass through themeasily.
  Example: Metals like iron rod, nail, copper wire, etc. are good conductors ofelectricity.

- Ductility:

  It is that property of metals which allows them to be drawn into the wires. Example:Metals like aluminium and copper wires are used in electrical connection.

- Sonorous:

  It is that property of metals which produces ringing sound on hitting.

Non-metals

The elements which are brittle, dull cannot be beaten into sheets or drawn into wiresand are poor conductors of heat and electricity are termed as non-metals.

Few examples of non-metals are phosphorus, sulphur, carbon, oxygen etc.

Physical properties of Non-metals:

- Non-metals are gases or solids at room temperature, except bromine which is liquid atroom temperature. Solid non-metals are soft and dull. They break down into a powdery mass on tapping with a hammer. For example, coal and sulphur.
- Non-metals do not have lustre except iodine and graphite.
- They are bad conductor of heat and electricity.
- Non-metals are brittle that is they are neither malleable nor ductile.
- Non-metals are non-sonorous.

SOCIAL STUDIES

Topic:- Ruling the Countryside
Sub Topic 1:- The company be came Diwan

Revenue for the company
Three Land settlements

Learning Objectives:- Students know how the East India Company became ruler of India and how they started collecting taxes.
How they started introducing new settlements and new policies
Methodology:-PPT, Video and word file
You tube link:-https://www.youtube.com/watch?v=wkBG5rjQ50o
Activity:-Make a comparative table between all three land Settlements introduced by the East India Company

The Company Become the Diwan

The East India Company became the Diwan of Bengal, on 12 August 1765. As Diwan, the Company became the chief financial administrator of the territory under its control. The Company needed to administer the land and organise its revenue resources. It needed to be done in a way that could yield enough revenue to meet the growing expenses of the company.

Revenue for the Company

he Company's aim was to increase the revenue to buy fine cotton and silk cloth as cheaply as possible. Within a span of five years, ne value of goods bought by the Company in Bengal doubled. The Company, before 1865, purchased goods in India by importing old and silver from Britain. Now it was financed by the revenue collected in Bengal. Artisanal production was in decline, and gricultural cultivation showed signs of collapse. Then in 1770, a terrible famine killed ten million people in Bengal.

Assignments:-

1.Describe the main features of the Permanent Settlement.

2.. How was the mahalwari system different from the Permanent Settlement?

3. Give two problems which arose with the new Munro system of fixing revenue.

Blackboard Summary:-

	When	Where	who	Merits	Demerits
Permanent settlement	In the year of 1793	First introduced in Bengal and Bihar	By Charles Earl Cornwallis	Worst condition of farmers were improved and they began to growing more crops	This affected the landlord if they failed to pay the fix amount they had to lose their land
Mahalwari Settlement	In the year between 1787-1876	Utter Pradesh & Punjab	By Holt Mackenzie	It gave a cooperative farming and gave the maximum benefits to the farmers	Landlords were absent because they knew work could be done in their absence
Ryotwari Settlement	In the year of 1820	In the Bombay	By Thomas Munro	There was no middle man and tax can be collected directly from the cultivators	The rate of tax was very high which was based on the potential of the soil

SANSKRIT

पुनरावृति कार्यपत्रम

प्र । शब्दों को विच्छेद करके लिखो : -

।अल्पमेव ....

२सर्वमेव . . . .

3समानमपि ...

प्र० २ तद्भव शब्दो के लिए तत्सम शब्द लिखो : -

1कड़वा

२तिनका

3लोभी

4पूँछ

प्र 3 निम्न प्रश्नो के उतर लिखोः -

1 सिहस्य नाम किम्?

२ गुहायाः स्वामी कः ?

3 गुहा केन प्रति ध्वनिता ?

प्र० 4 प्रश्न निर्माण करो :-

I .(बिले)सिंह अस्ति

२ (क्षुधातः) सिंह: गुहायाम आसीत् । '

प्र 5, निम्नलिखित स्थानेषु उचित धातुरूप पूरयतः -

1 पठति --- ---- --- ---- -- पठन्ति

२ पठसि पठथः --- --- ---

3 ---- ---- - पठावः पठामः

4 गच्छति ---- --- -- गच्छन्ति

5 --- --- - - -- गच्छथः गच्छथः

6 गच्छामि ----- --- -- गच्छाम :

7 भवति --- --- -- -- ---- --- -- -

8 ---- ---- . भवथः --- ---- -- -- --- -

9 --- --- - भवावः --- -- --- -- - - - -

10 . पठिष्यति --- --- -- --- ---- --- --

11, -- --- -- --- --- --- --- -- खादिष्यथ

12 हसिष्यामि ---- --- -- - ---- --- --- --

13 भविष्यसि --- - - - - -- - - - - - - - --

14 . --- - - - - - गमिष्यावः -- -- --- -- --

15. खादिष्यति -- --- -- -- - - - - --- --- -

प्रश्न 6 रिक्ता स्थान पूर्ति करके शब्द रुप लिखोः -

क . बाल

प्रथमा विभक्ति :- बालः _ _ _ _ बाला :

तृतीया विभक्ति :- बालेन बालाभ्याम --- -- - -

सप्तमी वि भक्ति :- बाले ---- - - -- बालेषु

ख . लता

प्रथमा विभक्ति :- लताः _ _ _ _ लता :

तृतीया विभक्ति :- - - - - लताभ्याम लताभिः

सप्तमी विभक्ति -- - - - लतयोः लतासु

ग . फल

द्वितीया विभक्ति : फलम् _ _ _ _ फलानि

चतुर्थी विभक्ति :- - - - - फलाभ्याम् --- -- -

पञ्चमी विभक्ति -- -- -- -- फलाभ्याम् --- -- -

षष्ठी विभक्ति फलस्य फलाभ्याम् -